युवाओं का आह्वान
राष्ट्रीय शिक्षा नीति

के लक्ष्यों व भारतीय ज्ञान परम्परा के मूल्यों पर आधारित कार्यक्रम

वयम्-2026

Vision Accord of Youth for Advancing Mankind

मानवता के उत्थान की युवा दृष्टि

समग्र व्यक्तित्व विकास की पाठशाला

10 जनवरी - 03 फरवरी 2026

वयम यथारूप

'अहं' का विलोम नहीं विस्तार है वयम । 'अहम् ब्रहमास्मि' से 'तत् त्वमसि' की यात्रा है वयम ।
दैवीय शक्तियों का सार है वयम। सज्जन वृत्तियों की पुकार है वयम ।
शुभ संकल्पों का आधार है वयम। मानवता का उद्धार है वयम ।
सुग्रीव और विभीषण का राम है वयम। किष्किंधा का हनुमान है वयम ।
सीता का वरदान है वयम। भारत का सामूहिक गान है वयम।
भविष्य का उन्वान है वयम। कल आज और विहान है वयम ।
जय-जवान, जय-किसान है वयम। जय-स्वधर्मबोध, जय-विज्ञान है वयम ।
प्रकृति व मानवता का उत्थान है वयम ।

'वयम' एक संकल्पना

वयम अर्थात हम सब समाहित करता है संपूर्ण सृष्टि को। भेद रहित दृष्टि का प्रथम सोपान है वयम। इसका विस्तार केवल मानव जाति तक सीमित नहीं है, यह चराचर जगत तक विस्तीर्ण है। हमारे पुरखों के सपनों का साक्षी है वयम। हमारे पूर्वजों की आशाओं का समुच्चय है वयम। हमारी प्रेरणा है वयम। हमारा आदर्श है वयम ।

इसकी निष्पत्ति के मूल में है हमारी वैदिक उद्घोषणा कि "संपूर्ण जगत ही हमारा कुटुंब है।" हमारे ऋषि-मुनियों ने मनन किया और हमारे हाथों में सौंप दिया मनुष्यता का गौरव। इस गौरव के संरक्षण और संवर्धन का दायित्व लेकर ही हम स्वयं को मनुष्यता का योग्य उत्तराधिकारी सिद्ध कर सकते हैं।

वयम अर्थात 'हम सब' भारतीय वैचारिक दृष्टि से सबसे संपन्न लोग हैं, क्योंकि हमारे पास ही ईश्वर द्वारा दिया गया आशापूर्ण आश्वासन है कि "यदा यदा ही धर्मस्य...." हम ही हैं जो सफल कर सकते हैं इन विचारों को, कर्म में बदलकर, कर्तव्य को कृतित्व में बदलकर और सुफल कर सकते हैं पूर्वजों द्वारा सौंपी गई ज्ञान परंपरा को।

पिछली सदी में हमने सपना देखा शांतिपूर्ण संसार का, सर्वोदय का लेकिन हमें निराशा हाथ लगी। हमें मिला सूचनाओं का घना जंगल, जिसमें विचारों का शोर है। आज सूचनाएं तो हैं पर ज्ञान नहीं, विचार तो है पर विचारधारा नहीं। विचार हथियार तो बन गए पर उन्हें औजार नहीं बनाया जा सका। हम किस विचार को साधन बनाएं सर्वोदय के लक्ष्य को प्राप्त करने का? यह सवाल हमारे सामने हमेशा खड़ा रहेगा। इसके लिए अनिवार्य उत्साह और आवश्यक ऊर्जा कहां से प्राप्त करें? इसका स्रोत क्या हो? इन सभी गंभीर और जटिल लगने वाले प्रश्नों का सरल उत्तर है कि जिन हृदयों में यह भाव जगा है और जिन मस्तिष्कों में इन प्रश्नों ने जन्म लिया है, वही इसका उत्तर भी दे सकते हैं अर्थात इसका उत्तर एक वचन 'मैं' नहीं है बल्कि इसका उत्तर है बहुवचन 'वयम' अर्थात 'हम सब।' हमारे हृदय में उठने वाली इस आकुलता का सम्यक जवाब देने का संकल्प भी हमें ही लेना होगा।

'वयम' क्या है यह एक शब्द नहीं है.. वयम बहुत ही व्यापक अवधारणा है। वयम एक कार्यक्रम है। वयम एक आयोजन है। वयम एक परियोजना है। वयम एक उद्देश्य है। वयम एक आदर्श है। वयम एक मान्यता है। वयम एक कार्य योजना है। वयम एक लक्ष्य है। और सबसे बढ़कर वयम एक शुभ संकल्प है..

“वयम” के कार्यक्रम

सोच-SOCH

Spiritual Orientation for good Community Health

सुंदर सामुदायिक जीवन के लिए आध्यात्मिक तैयारी

- योग
- आयुर्वेद
- स्वाध्याय

ज्ञान-GYAN

Growing belongingness amongst Youth And Nurturing joyful life

युवाओं में अपनेपन का विकास और आनंद पूर्ण जीवन को प्रोत्साहन

- सामुदायिक सेवा
- दायित्व बोध का विकास
- सह अस्तित्व का बोध
- प्राकृतिक जीवन शैली

मित्र-MITR

Mental Integration for Transformation of Relationship

सामाजिक संबंधों के रुपांतरण का मानसिक संयोजन

- मनोवैज्ञानिक परीक्षण
- करियर काउंसलिंग
- मोटिवेशन

भाव-BHAV

Balancing Human behavior and Adopting Vision document

दृष्टिकोण के साथ अनुकूलन हेतु मानव व्यवहार का संतुलन

- कला
- साहित्य
- संगीत
- यात्रा

तर्क-TARK

Training for Adopting the Religious Knowledge

धार्मिक ज्ञान के साथ अनुकूलन हेतु प्रशिक्षण

- धर्म और विज्ञान की सुसंगतता
- धार्मिक जीवन के लक्षण
- धर्म और दैनिक जीवन पद्धति

सत्य-SATY

Sanatan values And Teachings for Youth

युवाओं के लिए सनातन की शिक्षा और जीवन मूल्य

- आध्यात्मिक जीवन के विविधा स्तर और उनके आयाम

कौशल,तकनीकि व उद्यमिता आधारित रोजगार पाठशाला

- कौशल विकास कार्यक्रम
- तकनीकि विकास कार्यक्रम
- उद्यमिता विकास कार्यक्रम
- स्टार्टप व रोजगार कार्यक्रम

आदर्श व प्राकृतिक जीवन शैली की दिनचर्या के विशिष्ट वातावरण में...

- सात्विक ऊर्जापुंज काल ब्रम्ह मूहुर्त में जागरण का आत्मवत अनुभव का साक्षित्व
- योग-व्यायाम के प्राण विद्या परिचयबोध से शारीरिक, मानसिक और आत्मिक अनुशासन संतुलन द्वारा दिन का शुभारम्भ
- मोक्षदायनी गंगा, यमुना, सरस्वती के पावन पवित्र संगम में स्नान-ध्यान का अलौकिक अवसर व पावित्र्य का चिर साक्षित्व
- शुध्द सात्विक व प्राकृतिक पोषण युक्त भोजन
- ज्ञान-विज्ञान बोध का उद्बोधन व मुक्त चर्चा
- स्वाध्याय व समझ को विकसित करने का विशेष विशेषज्ञ मार्गदर्शन
- अस्त-व्यस्त जीवन को स्वस्थ-मस्त बनाने का विशेषज्ञों द्वारा व्यावहारिक मार्गदर्शन
- स्वबोध से स्वधर्म की पहचान का विशेषज्ञों द्वारा तर्क-आधारित वैज्ञानिक व व्यावहारिक मार्गदर्शन
- जीवनोपयोगी खेल मनोरंजन का आकर्षक आनन्दमय वातावरण
- प्राकृतिक चिकित्सा व घरेलू उपायों पर विशेषज्ञों द्वारा तर्क-आधारित वैज्ञानिक व व्यावहारिक मार्गदर्शन
- भारतीय जीवन-दर्शन व जीवन मूल्यों पर अनुभवजन्य विशेषज्ञों द्वारा प्रामाणिक मार्गदर्शन
- जीवन का लक्ष्य व आत्म-साक्षात्कार का विशेष विशेषज्ञ मार्गदर्शन
- प्रकृति, समाज और प्राणियों के बीच संतुलन एवं सामंजस्य पर आधारित व्यावहारिक कार्यक्रम
- नैतिक, सामाजिक और आत्मिक कर्तव्यबोध कार्यक्रम
- व्यक्ति, परिवार, समुदाय और समाज कल्याण के कर्तव्यबोध आधारित कार्यक्रम
- कौशल, उद्यमिता व रोजगार हेतु विशेष विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

१००+ उच्च शिक्षण संस्थानों का आह्वान

१००+ योग विशेषज्ञों से विमर्श व मार्गदर्शन का आह्वान

१००+ प्रतिष्ठित उद्यमियों से विमर्श व मार्गदर्शन का आह्वान

१००+ प्रतिष्ठित स्टार्टअप संस्थानों से विमर्श व मार्गदर्शन का आह्वान

१००+ देशभर के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों से विमर्श व मार्गदर्शन का आह्वान

१००+ भारतीय मूल के अंतर्राष्ट्रीय शिक्षाविदों से विमर्श व मार्गदर्शन का आह्वान

१००+ भारतीय मूल के अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण संस्थानों से विमर्श व मार्गदर्शन का आह्वान

१००+ प्राकृतिक, आयुर्वेद, योग, होम्योपैथिक फिजियोथेरेपी व एलोपैथिक चिकित्सा के विशेषज्ञों से विमर्श व मार्गदर्शन का आह्वान

पंजीयन हेतु Scan QR

विशेष

1. सभी को कार्यशाला का प्रशस्तिपत्र/प्रमाणपत्र अनिवार्य रूप से प्रदान किया जाएगा
2. कार्यशाला के दौरान होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता होने पर प्रशस्तिपत्र/प्रमाणपत्र व पुरस्कार प्रदान किया जाएगा
3. खेल व योग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर प्रशस्तिपत्र/प्रमाणपत्र व पुरस्कार प्रदान किया जाएगा

कार्यक्रम स्थल

माघमेला-2026 सेक्टर-2,तीर्थराज प्रयाग संगम क्षेत्र,प्रयागराज,उत्तर प्रदेश

अवलोकनार्थ...

- कार्यशाला के दौरान आवास,भोजन व सभी आवश्यक सुविधायें पूर्णतः निशुल्क उपलब्ध होगी।
- कार्यक्रम के प्रबन्धन को सुव्यवस्थित बनाने के लिए कार्यशाला में प्रवेश हेतु ऑनलाइन पंजीयन अनिवार्य है।
- कार्यक्रम की कार्यशाला निरन्तर 25 दिवसीय रहेगी जिसकी अंग्रेजी कैलेंडर अनुसार अवधि 10 जनवरी से 03 फरवरी 2026 तक रहेगी।
- इस कार्यक्रम में प्रत्येक पंजीयन की वैधता मात्र एक दिन व एक रात्रि तक की होगी।
- एक कार्यशाला करने के पश्चात रुचि अनुसार दूसरी कार्यशाला में प्रवेश पाने हेतु कार्यशाला के प्रशासनिक कार्यालय से अनुमति लेना अवश्यक होगा।
- छात्रों/अन्य की संख्यानुसार अनुमति मिलने अथवा न मिलने की दशा में कार्यालय के निर्देशों का पालन सर्वमान्य व अंतिम होगा।
- कार्यक्रम की कार्यशाला में प्रवेश के दौरान आधार कार्ड एवं उसकी एक छायाप्रति साथ में अवश्य लेकर आएं।
- कार्यक्रम की कार्यशाला भारतीय ज्ञान परम्परा के जीवन-दर्शन व जीवन मूल्यों पर आधारित होगी।
- पंजीयन पर पंजीकृत छात्र/अन्य का ही प्रवेश मान्य होगा अन्यथा की स्थित में किसी अन्य को शामिल नही किया जाएगा।
- कार्यशाला मे सहभाग नियत पंजीयन प्रति छात्र/अन्य हेतु देय आयु के अनुसार तय है ! कृपया ऑनलाइन पंजीयन के दौरान आधार कार्ड में दर्ज जन्मतिथि ही डालें।
- कार्यक्रम का प्रमाण पत्र/प्रशस्ति पत्र पर पंजीयन में दिया विवरण ही अंकित होगा कृपया विवरण ध्यानपूर्वक भरें।
- पंजीकृत छात्र/अन्य किसी भी अन्य को अपने साथ न लायें ,यदि लायें तो पंजीयन अवश्य कराकर लायें।
- कार्यक्रम मे शामिल होने के लिए आयुसीमा वर्ष 17+ होना अनिवार्य हैं।
- स्वयं के दैनिक उपयोग की वस्तुएं साथ में अवश्य लाएं।
- कार्यक्रम में कार्यशाला के दौरान प्राथमिक चिकित्सा उपचार और प्रशासनिक सुरक्षा उपलब्ध रहेगी।
- कार्यशाला में किसी भी प्रकार का अनपेक्षित कार्य करने पर कार्यशाला से निष्कासित कर दिया जाएगा।
- कार्यक्रम के निर्धारित नियम और अनुशासन का अक्षरशः पालन करना होगा अन्यथा जिम्मेदारी स्वयं की होगी।
- कार्यक्रम में पंजीकृतों को आवा गमन की सूचना एक सप्ताह पूर्व प्रदान की जायेगी सूचना उपरांत ही पधारें, बिना सूचना के आगमन पर कार्यशाला में प्रवेश निषेध होगा।

+91 94547 13121 info@gyanodayparishad.org www.gyanodayparishad.org

Organized By

ज्ञानोदय परिषद
शोध · बोध · संस्कृति · राष्ट्र

GYANODAY PARISHAD

Research • Knowledge • Culture • Nation

Council for Indian Knowledge Tradition Execution & Policy Research

Gyanoday Parishad/@gyanodayparishad